Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, General Impact Factor : 2.3982, Volume 08, No. 01, January, 2018, pp. 588-594

राजस्थान में बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ संतोष गुप्ता*

सार

प्राचीन समय में यह धारणा थी कि शिक्षक बनने के गुण व्यक्ति में जन्मजात होते है। अतः इसके लिये किसी विशेष शिक्षा अथवा प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती अर्थात शिक्षक पैदा होते है, बनाये जाते । यद्यपि यह विचार आज सार्थक नहीं है परन्तु यदि हम इस बात को मान भी ले तो इससे इंकार नहीं कर सकते कि जन्म जात शिक्षकों की संख्या अंगुलियों पर गिनी जा सकती है। परन्तु वर्तमान में शिक्षा प्रसार के साथ शिक्षकों के लिये बढ़ती मांग को जन्मजात शिक्षकों द्वारा पूरा करना संभव नही रहा और प्रशिक्षण द्वारा शिक्षकों को तैयार करने एवं मांग को पूरा करने की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी।

शिक्षक प्रशिक्षण द्वारा व्यक्ति के उपयुक्त अभिवृति, ज्ञान, कौशल व व्यवहार में क्रमबंद्ध विकास व परिमार्जन कर शिक्षणोपयोगी गुणों को विकसित किया जाता है। इससे व्यक्ति की कार्यक्षमता व कुशलता में वृद्धि हो जाती है और कार्य की असफलता की संभावना कम हो जाती है, जिससे कार्य संतुष्टि की मात्रा भी बढ जाती है। जिससे कार्य संतुष्टि की मात्रा भी बढ़ जाती है।

भारतीय संस्कृति व गुरूकुल प्रणाली से अवगत विचारकों के लिये शिक्षक प्रशिक्षण की अवधारणा कोई नई बात नहीं है। हम सभी जानते है कि औपचारिक रूप से शिक्षक की व्यवसायिक शिक्षा का जन्म ''श्रेष्ठ व ज्येष्ठ विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ विद्यार्थियों के अध्यापन के रूप में प्राचीन काल में भारत के गुरूकुलों में हुआ था। इस प्रणाली को देखकर मद्रास के प्रेसीडेसीं चैपलिन डॉ0 बेल ने इसे ''मोनीटोरियल सिस्टम'' की संज्ञा दी। जो बाद में इंगलेण्ड व अन्य देशों में भी काफी प्रचलित हुई है।

शोध में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों का अर्थ

शोध कार्य को उत्तम रूप देने के लिये उसकी भाषा स्पष्ट होना अति आवश्यक है। उसके साथ ही शोधकार्य में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों को स्पष्ट करने का अर्थ है कि उन्हें विस्तृत रूप से ठीक प्रकार संसुनिश्चित बनाया जायेः–

- **शिक्षाः** शिक्षा एक प्रक्रिया है, इस प्रक्रिया के रूप में शिक्षा व्यक्ति की जन्मजात शक्तियों व अन्तनिर्हित क्षमताओं का विकास करने वाली व जीवनपर्यन्त चलने वाली एक सतत् प्रक्रिया मानी जाती है।
- **बी.एस.टी.सी.**: शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में सर्वप्रथम प्राथमिक स्तर यह जो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है। यह 'बी. एस.टी.सी. है। यह वरिष्ठ उपाध्याय/उच्च माध्यमिक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- **शैक्षिक उपलब्धिः** व्यक्ति द्वारा प्राप्त परिणाम ही उसकी उपलब्धि के परिचायक है। शैक्षिक उपलब्धि को कक्षा–कक्ष का वातावरण, पारिवारिक उत्कण्ठा, सृजनात्मकता, बुधिलब्धि आदि घटक प्रभावित करते है।
- **मूल्यः**''मूल्य वह चारित्रिक विशेषता है जो मनोविज्ञान, सामाजिक और सौन्दर्यबोध की दृष्ट्रि से महत्वपूर्ण मानी जाती है।''

* जयपुर, राजस्थान।

शोध के उदेश्य

- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की विषय भिन्नता (संस्कृत/सामान्य) का उनकी उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की लैंगिक भिन्नता का उनकी उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की स्थान भिन्नता का उनकी उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों में मूल्यों की तुलना करना।

प्राकल्पना

- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की ''विषय भिन्नता'' का उनकी उपलब्धि का प्रभाव नही पड़ता है।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की ''लैंगिक भिन्नता'' का उनकी उपलब्धि पर प्रभाव नहीं पड़ता है।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की ''स्थान भिन्नता का उनकी उपलब्धि का प्रभाव नही पड़ता है।
- बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की विषय भिन्नता, लैगिंक व स्थान भिन्नता का उनकी उपलब्धि का प्रभाव नही पड़ता है।

शोध की परिसीमाएं

- प्रस्तुत शोध अध्ययन केवल राजस्थान राज्य तक सीमित रखा गया है?
- प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन याद्वच्छिक विधि से किया गया है।
- प्रस्तुत अध्ययन 400 विद्यार्थियों तक ही सीमित है, जिनमें 200 छात्र प्रशिक्षणार्थी तथा 200 छात्राएं प्रशिक्षणार्थी है।
- प्रस्तुत अध्ययन 8 प्रशिक्षण विद्यालयों तक ही सीमित है जिनमें 4 महिला शिक्षण विद्यालयों तथा 4 पुरूष विद्यालयों को शामिल किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोधकार्य में राजस्थान में चल रहे शिक्षक–प्रशिक्षण विद्यालयों जिनमें बी.एस.टी.सी. (सामान्य/संस्कृत) पाठ्यक्रम संचालित है ऐसे चार महिला विद्यालयों तथा चार पुरूष शिक्षा विद्यालयों को तथा न्यायदर्श के रूप में अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर रहे 400 विद्यार्थियों का स्तरित यादृच्छिक न्यादर्श विधि से चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध में अध्यापक अभिवृति सूची (डा. एस.पी. अहलूवालिया) का प्रयोग किया है।

अध्ययन (शोध) के परिणाम

शोधकत्री ने मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी, आदि सॉख्यिकी के आधार पर अपने अध्ययन के निष्कर्ष निकाले है।

सारणी 1: बी.एस.टी.सी. सीनियर सैकण्डरी विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1,000		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	1987	1000	
बी.एस.टी.सी.	3720	1333	1000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सामान्य समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का 1987 का मान प्राप्त हुआ । बी.एस.टी. सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व बी.एस.टी.सी. परीक्षा के अंको में सह–संबंध का .3720 का मान प्राप्त हुआ। अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा व बीएसटीसी परीक्षा के अंको में सह संबंध का .1333 मान प्राप्त हुआ।

सारणी 2: बी.एस.टी.सी. वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1,000		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	1987	1000	
बी.एस.टी.सी.	3320	.1355	1000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सामान्य समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का 1987 का मान प्राप्त हुआ । बी.एस.टी. सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व बी.एस.टी.सी. परीक्षा के अंको में सह–संबंध का .3320 का मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक पाया गया।

सारणी 3: बी.एस.टी.सी. छात्रध्यापक विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1.00		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	.1600	1.000	
बी.एस.टी.सी.	.1760	.1413	1.000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सामान्य समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का .1600 का मान प्राप्त हुआ । बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व बी.एस.टी.सी. परीक्षा के अंको में सह–संबंध का .1760 का मान प्राप्त हुआ। अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा व बीएसटीसी परीक्षा के अंको में सह संबंध का .1413 मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक पाया गया।

सारणी 4: बी.एस.टी.सी. छात्रध्यापिका विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1.000		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	.1187	1.000	
बी.एस.टी.सी.	.1520	.1333	1.000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सामान्य समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का ..1187 का मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक नही पाया गया। बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व बी.एस.टी.सी. परीक्षा के अंको में सह–संबंध का .1520 का मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक नहीं पाया गया।

सारणी 5: 'ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1.00		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	.1592	1.000	

बी.एस.टी.सी.	.2893	.0885	1.000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का .1592 का मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक नहीं पाया गया।

सारणी 6: 'शहरी क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों की परीक्षाओं के प्राप्तांको का 'तुलनात्मक अध्ययन'

समूह	विद्यालय स्तर	अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	बी एस टी सी
विद्यालय स्तर परीक्षा	1.00		
अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा	.2351	1.000	
बी.एस.टी.सी.	.3114	.1922	1.000

(n=200 table value for r=.18 at 0.01 level)

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि शहरी समूह के बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के विद्यालय स्तर परीक्षा व अध्यापक प्रवेश पूर्व परीक्षा के अंको में सह–संबध का .2351 का मान प्राप्त हुआ जो कि सार्थक पाया गया।

सारणी 7 : ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर आवधिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	मूल्य	एफ अनुपात का मान	सार्थकता का स्तर
1	समानता	0.00	असार्थक
2	निर्धन्द्वता	0.15	असार्थक
3	सक्रियता	0.15	असार्थक
4	मोक्ष	0.09	असार्थक
5	विद्धता	0.74	असार्थक
6	सामाजिक मान्यता	0.03	असार्थक
7	आत्मसम्मान	0.00	असार्थक
8	सुखमय जीवन	1.285	असार्थक
9	विश्व शांति	.32	असार्थक
10	स्वतंत्रता	.86	असार्थक
11	सौन्दर्यमय दुनिया	.03	असार्थक
12	पारिवारिक सुरक्षा	.24	असार्थक
13	प्रसन्नता	.12	असार्थक
14	सफल प्यार	.11	असार्थक
15	सच्ची मित्रता	.48	असार्थक
16	राष्ट्रीय सुरक्षा	.07	असार्थक
17	पूर्णता का मान	.19	असार्थक
18	आनन्द	.83	असार्थक

(f=3.89 table value for t=1.119 at 0.05 level)

उपरोक्त सारणी में ग्रामीण क्षेत्र बी.एस.टी.सी. विद्यार्थियों के लैंगिक आधार पर आवधिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन के प्राप्ताकों के आधार पर एक तरफा प्रसरण विश्लेषण का अभिगणन करके एफ अनुपात ज्ञात किया। उपरोक्त सारणी के आवधिक मूल्यों की सभी घटाकों का एक मान तालिका मूल्य से कम पाया गया। ग्रामीण

क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के छात्रध्यापक व छात्राध्यापक विद्यार्थियों ने समान रूप से आवधिक मूल्यों को स्वीकार किया गया है। अतः परिकल्पना की संख्या 1.14.55 स्वीकृत की जाती है।

सारणी 8 : ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर नैमिक्तिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	मूल्य	एफ अनुपात का मान	सार्थकता का स्तर
1	उदार	.04	असार्थक
2	साहसी	.26	असार्थक
3	तार्किक	.36	असार्थक
4	संयमी	.47	असार्थक
5	योग्य	.03	असार्थक
6	महत्वाकांक्षी	.61	असार्थक
7	स्नेही	.23	असार्थक
8	स्वच्छ	.28	असार्थक
9	सहायक	.91	असार्थक
10	प्रसन्नचित	.96	असार्थक
11	उतरदायी	.45	असार्थक
12	ईमानदार	.00	असार्थक
13	क्षमाशील	.18	असार्थक
14	बौद्धिक	.29	असार्थक
15	कल्पनाशील	.01	असार्थक
16	स्वतन्त्र	.39	असार्थक
17	आज्ञाकारी	.11	असार्थक
18	विन्रम	.08	असार्थक

(f=3.89 table value for t=1.119 at 0.05 level)

उपरोक्त सारणी में ग्रामीण क्षेत्र बी.एस.टी.सी. सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर नैमिक्तिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन के प्राप्ताकों के आधार पर एक तरफा प्रसरण विश्लेषण का अभिगणन करके एफ अनुपात ज्ञात किया। उपरोक्त सारणी के आवधिक मूल्यों की सभी घटाकों का एक मान तालिका मूल्य से कम पाया गया। ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के छात्रध्यापक व छात्राध्यापक विद्यार्थियों ने समान रूप से नैमिक्तिक मूल्यों को स्वीकार किया गया है। अतः परिकल्पना की संख्या 1.14.56 स्वीकृत की जाती है।

सारणी 9: शहरी क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर आवधिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	मूल्य	एफ अनुपात का मान	सार्थकता का स्तर
1	समानता	.892	असार्थक
2	निर्धन्द्वता	.193	असार्थक
3	सक्रियता	.000	असार्थक
4	मोक्ष	.007	असार्थक
5	विद्धता	.176	असार्थक
6	सामाजिक मान्यता	1.166	असार्थक
7	आत्मसम्मान	.110	असार्थक

8	सुखमय जीवन	.732	असार्थक
9	विश्व शांति	.001	असार्थक
10	स्वतंत्रता	.342	असार्थक
11	सौन्दर्यमय दुनिया	.010	असार्थक
12	पारिवारिक सुरक्षा	.051	असार्थक
13	प्रसन्नता	.011	असार्थक
14	सफल प्यार	.273	असार्थक
15	सच्ची मित्रता	.264	असार्थक
16	राष्ट्रीय सुरक्षा	.000	असार्थक
17	पूर्णता का मान	0.027	असार्थक
18	आनन्द	.039	असार्थक

(f=3.89 table value for t=1.119 at 0.05 level)

उपरोक्त सारणी में शहरी क्षेत्र बी.एस.टी.सी. सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर आवधिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन के प्राप्ताकों के आधार पर एक तरफा प्रसरण विश्लेषण का अभिगणन करके एफ अनुपात ज्ञात किया। उपरोक्त सारणी के आवधिक मूल्यों की सभी घटाकों का एक मान तालिका मूल्य से कम पाया गया। ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के छात्रध्यापक व छात्राध्यापक विद्यार्थियों ने समान रूप से आवधिक मूल्यों को स्वीकार किया गया है। अतः परिकल्पना की संख्या 1.15.57 स्वीकृत की जाती है।

सारणी 10: शहरी क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर नैमिक्तिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	मूल्य	एफ अनुपात का मान	सार्थकता का स्तर
1	उदार	.820	असार्थक
2	साहसी	.557	असार्थक
3	तार्किक	.307	असार्थक
4	संयमी	.265	असार्थक
5	योग्य	.026	असार्थक
6	महत्वाकांक्षी	1.423	असार्थक
7	स्नेही	.057	असार्थक
8	स्वच्छ	.405	असार्थक
9	सहायक	.008	असार्थक
10	प्रसन्नचित	1.356	असार्थक
11	उतरदायी	.211	असार्थक
12	ईमानदार	.000	असार्थक
13	क्षमाशील	.214	असार्थक
14	बौद्धिक	.291	असार्थक
15	कल्पनाशील	.121	असार्थक
16	स्वतन्त्र	.009	असार्थक
17	आज्ञाकारी	.377	असार्थक
18	विन्रम	.262	असार्थक

(f=3.89 table value for t=1.119 at 0.05 level)

उपरोक्त सारणी में शहरी क्षेत्र बी.एस.टी.सी. सीनियर सैकण्डरी व वरिष्ठ उपाध्याय विद्यार्थियों के आधार पर नैमिक्तिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन के प्राप्ताकों के आधार पर एक तरफा प्रसरण विश्लेषण का अभिगणन करके

एफ अनुपात ज्ञात किया। उपरोक्त सारणी के आवधिक मूल्यों की सभी घटाकों का एक मान तालिका मूल्य से कम पाया गया। ग्रामीण क्षेत्र के बी.एस.टी.सी. के छात्रध्यापक व छात्राध्यापक विद्यार्थियों ने समान रूप से नैमिक्तिक मूल्यों को स्वीकार किया गया है। अतः परिकल्पना की संख्या 1.15.58 स्वीकृत की जाती है।

संदर्भ ग्रन्थ

- बेस्ट जॉन डब्ल्यू : रिसर्च इन एज्यूकेशन : प्रिंटिक हॉल प्रा. लि., नई दिल्ली, 1973, पृष्ठ सं 35
- रमल व जे.एफ.एन.–इन्ट्रोक्शन टू रिसर्च पोजिशन इन एजूकेशन हारपर ब्रदर्स, न्यूयार्क, 1968 पृष्ठ सं. 358
- बुच.एम.बी. : थर्ड सर्वे आफ रिसर्च इन एजूकेशन नेशनल कौंसिल ऑफ एजूकेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग, श्री अरविन्दों मार्ग, नई दिल्ली, 1987, पृष्ठ 596।
- शर्मा, आर. ए.– फण्डामेंटल ऑफ एजूकेशन रिसर्च, लायल बुक डिपो, मेरठ 1985, पृष्ठ संख्या 77

☯☯☯